भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 190

सोमवार, 25 नवम्बर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या बढ़ाए जाने की रणनीतियां

190. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर:
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया:
श्री जुगल किशोर:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या बढ़ाए जाने के लिए अपनाई गई विभिन्न विपणन और प्रचार रणनीतियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) दाहोद, गुजरात में उक्त रणनीतियों के अपनाए जाने का क्या प्रभाव पड़ा है;

(ग) पर्यटन से संबंधित सेवाओं के लिए वर्तमान दर संरचना का विवरण क्या है;

(घ) विशेष रूप से गुजरात राज्य के संबंध में तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के अंतर्गत आवंटित निधि की राशि के साथ स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त योजना के अंतर्गत अब तक कुल कार्यान्वित विभिन्न परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय, भारत की पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करने और गुजरात राज्य सहित, देश में समग्र रूप से पर्यटन का संवर्धन करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण और संभावित पर्यटक सृजक बाजारों में विभिन्न संवर्धनात्मक कार्यकलाप करता है। देश में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने वाले इन प्रचार कार्यकलापों का विवरण निम्नानुसार है:

i. अंतर्राष्ट्रीय यात्रा मेलों और प्रदर्शनियों, जैसे वर्ल्ड ट्रेवल मार्ट (डब्ल्यूटीएम) लंदन, फेरिया इंटरनेशनल डी टूरिज्मों (फिटूर) मैड्रिड, इंटरनेशनल ट्रैवल एण्ड हॉस्पिटेलिटी

शो (एमआईटीटी) मॉस्को, एशिया-पैसिफिक इंसेंटिव्स एंड मीटिंग्स इवेंट (एआईएमई) सिडनी, इंटरनेशनल टूरिज्मसबोर्स (आईटीबी) बर्लिन, अरेबियन ट्रैवल मार्ट (एटीएम) दुबई, इंटरनेशनल मीटिंग एक्सचेंज (आईएमईएक्स) फ्रैंकफर्ट, इंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएफटीएम) टॉप रेसा पेरिस, जापान एक्सपो, इंटरनेशनल टूरिज्मसबोर्स एशिया (आईटीबी एशिया) सिंगापुर आदि में भागीदारी।

ii. मंत्रालय द्वारा एक बड़े भारतीय डायस्पोरा को अतुल्य भारत का दूत बनने के लिए प्रोत्साहित करने और हर वर्ष अपने पांच गैर-भारतीय मित्रों को भारत आने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 'चलो इंडिया' पहल शुरू की गई है।

iii. प्रवासी भारतीयों के पंजीकरण के लिए 'चलो इंडिया' पोर्टल भी तैयार किया गया है। इसके अलावा, रेफरल कार्यक्रम के तहत भारत आने वाले एक लाख विदेशी पर्यटकों के लिए निःशुल्क ई-वीजा की घोषणा की गई थी।

iv. पर्यटन मंत्रालय ने दिनांक 27 सितंबर, 2024 को नवीकृत अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल (www.incredibleindia.gov.in) पर अतुल्य भारत कंटेंट हब लॉन्च किया है। अतुल्य भारत कंटेंट हब उच्च गुणवत्ता वाली छवियों, फिल्मों, ब्रोशर और समाचार पत्रों का एक व्यापक डिजिटल भंडार है, जिसे दुनिया भर में उद्योग के हितधारकों (ट्रैवल मीडिया, टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट) द्वारा आसानी से देखा जा सकता है और जो सभी विपणन और प्रचार संबंधी प्रयासों में अतुल्य भारत के संवर्धन के लिए आवश्यक है। यह नवीकृत अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल एक पर्यटक-केंद्रित, वन-स्टॉप डिजिटल समाधान है, जिसे भारत आने वाले अतिथियों के लिए उनके यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने हेतु डिज़ाइन किया गया है।

v. मंत्रालय के आतिथ्य कार्यक्रम के अंतर्गत देश की यात्रा करने के लिए मीडिया हस्तियों, टूर ऑपरेटरों और विचारकों को आमंत्रित करना।

vi. विदेशों में ये संवर्धन कार्य राज्य सरकारों और 20 चिह्नित भारतीय मिशनों सहित प्रवासी भारतीय मिशनों के सहयोग से किए जा रहे हैं।

(ग): पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार पर्यटन संबंधी हितधारकों द्वारा वसूल की जाने वाली दर की रूपरेखा के संबंध में निर्णय लेने वाला विनियामक प्राधिकरण नहीं है।

(घ) और (ङ): गुजरात सहित 46 परियोजनाओं के लिए तीर्थस्थल जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद) के अंतर्गत 1605.20 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई थी, जिसका विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर, श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया और श्री जुगल किशोर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या बढ़ाए जाने की रणनीतियां के संबंध में दिनांक 25.11.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 190 के भाग (घ) और (ङ) के उत्तर में **विवरण**

प्रशाद योजना

(करोड़ रु. में)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	**क्र.सं.**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत**	**जारी की गई राशि**
आंध्र प्रदेश	1.	अमरावती में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015-16	27.77	27.77
	2.	श्रीशैलम मंदिर का विकास	2017-18	43.08	43.08
	3.	सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वरी देवस्थानम में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022-23	54.04	13.69
अरुणाचल प्रदेश	4.	परशुराम कुंड का विकास	2020-21	37.88	21.95
असम	5.	कामाख्या मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2015-16	29.80	29.80
बिहार	6.	पटना साहिब में विकास	2015-16	29.62	29.62
	7.	विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2014-15	3.63	3.63
छत्तीसगढ़	8.	मां बमलेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2020-21	48.44	32.13
गुजरात	9.	द्वारका का विकास	2016-17	13.08	10.46
	10.	सोमनाथ में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2016-17	45.36	45.36

	11.	सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास	2018-19	47.12	47.12
	12.	सोमनाथ में क्यू मैनेजमेंट काम्प्लेक्स के साथ तीर्थ प्लाजा का विकास	2021-22	49.97	0.00
	13.	अंबाजी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2022-23	50.00	10.54
हरियाणा	14.	माता मनसा देवी मंदिर और नाडा साहेब गुरुद्वारा का विकास	2019-20	48.53	34.68
जम्मू और कश्मीर	15.	हजरतबल दरगाह में विकास	2016-17	40.46	34.30
झारखंड	16.	बाबा बैद्यनाथधाम का विकास	2018-19	36.79	34.95
कर्नाटक	17.	श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2023-24	45.71	0.00
केरल	18.	गुरुवायूर मंदिर का विकास	2016-17	45.19	45.19
मध्य प्रदेश	19.	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99	34.73
	20.	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93	43.93
महाराष्ट्र	21.	त्रयंबकेश्वर का विकास	2017-18	42.18	29.93
मेघालय	22.	नोंगस्वालिया चर्च, नर्तियांग शक्ति पीठ, ऐतनार पूल और चरणतला काली मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	29.29	24.92
मिजोरम	23.	चितेवांग, जुआंगताई, रीक और आइजोल में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए	2022-23	44.89	13.18

		अवसंरचना का विकास			
नागालैंड	24.	मोलुंगकिमोंग, नोकसेन चर्च, ऐजुतो, वोखा और कोहिमा में तीर्थयात्रा के अवसंरचना का विकास	2018-19	25.20	21.33
	25.	जुन्हेबोटो में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	18.18	10.90
ओडिशा	26.	पुरी में अवसंरचना विकास	2014-15	50.00	10.00
पंजाब	27.	अमृतसर में करुणासागर वाल्मीकि स्थल का विकास	2015-16	6.40	6.40
	28.	चमकौर साहिब का विकास	2021-22	31.57	17.49
राजस्थान	29.	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64	26.11
सिक्किम	30.	फोर पैट्रन सेंट्स, युकसोम में तीर्थ सुविधा का विकास	2020-21	33.32	28.31
तमिलनाडु	31.	कांचीपुरम का विकास	2016-17	13.99	13.99
	32.	वेलंकन्नी का विकास	2016-17	4.86	4.86
तेलंगाना	33.	जोगुलम्बा देवी मंदिर का विकास	2020-21	38.90	33.07
	34.	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	62.00	12.82
	35.	भद्राचलम में तीर्थ अवसंरचना का विकास	2022-23	41.38	8.43
त्रिपुरा	36.	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर का विकास	2020-21	34.43	25.62
उत्तर प्रदेश	37.	वाराणसी का विकास -	2015-16	18.73	18.73

		चरण-I			
	38.	मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में मथुरा-वृंदावन का विकास (चरण-II)	2014-15	10.98	10.98
	39.	वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02	9.02
	40.	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36	9.36
	41.	वाराणसी का विकास - चरण-II	2017-18	44.60	31.77
	42.	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59	30.97
उत्तराखंड	43.	केदारनाथ का एकीकृत विकास	2015-16	34.77	34.77
	44.	बद्रीनाथ धाम में तीर्थ सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	56.15	27.43
	45.	गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थ संबंधी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार	2021-22	54.36	10.22
पश्चिम बंगाल	46.	बेलूर मठ का विकास	2016-17	30.03	23.39
		कुल		**1605.20**	**1036.96**

*****